Activity report
Session (2025-26)
Research & Development Cell
GGJ Govt. College, Hisar

Research and Development cell has organized various activities in the session 2025-26. The details are as follow:

Activity 1:

Three-day Faculty Development Program (FDP) on "Education Pedagogy" conducted by the Medha Foundation in association with DGHE.
Date: 07/10/2025 to 09/10/2025

- A three-day Faculty Development Program (FDP) on "Education Pedagogy" was organized from 7 to 9 October 2025. The program was conducted by the Medha Foundation in association with DGHE. A total of 28 faculty members actively participated in the FDP. The sessions focused on innovative pedagogical approaches aimed at enhancing student engagement and encouraging active classroom participation. The FDP was highly interactive and included a variety of activity-based learning exercises for faculty members.

Geotagged Photo:

Newspaper Clipping:

Activity 2: Memorandum of Understanding (MoU) between the Research & Development Cell, GGJ Government College, Hisar, and the National College of Ayurveda, Barwala, Haryana
Date: 15/10/2025.

- A Memorandum of Understanding (MoU) was signed between the Research & Development Cell, GGJ Government College, Hisar, and the National College of Ayurveda, Barwala, Haryana on 15th October 2025. This MoU aims to foster academic and research collaboration between the two institutions for the holistic development of students and faculty members. The agreement emphasizes collaborative research initiatives, capacity-building programs, and academic enrichment activities. It provides a platform for conducting joint workshops, seminars, conferences, training programs, expert talks, and exchange of academic resources. The partnership also encourages interdisciplinary learning, innovation, and knowledge dissemination, thereby strengthening institutional research practices and promoting sustainable academic growth.

Geotagged Photo:

Newspaper Clipping:

पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह को पगड़ी पहनाय
सम्मानित करते हुए।

समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए।

नेशनल कॉलेज ऑफ आयुर्वेद, बरवाला एवं जी.जी.जे. राजकीय महाविद्यालय हिसार के मध्य एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित

अक्लाना, 17 अक्तूबर (जगदीश अरसीजा): नेशनल कॉलेज ऑफ आयुर्वेद, बरवाला तथा जी.जी.जे. राजकीय महाविद्यालय, हिसार के मध्य एक एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते का उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देना, अनुसंधान गतिविधियों का विस्तार करना तथा ज्ञान के आदान-प्रदान को सशक्त बनाना है। यह एम.ओ.यू. संयुक्त रूप से अनुसंधान परियोजनाओं, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, संकाय विकास कार्यक्रमों एवं विद्यार्थियों के लिए अनुसंधान एवं नवाचार संबंधी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए किया गया है। इस अवसर पर समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ. त्रिभुवन पारीक, प्राचार्य, नेशनल कॉलेज ऑफ आयुर्वेद, बरवाला तथा डॉ. विनोद कुमार सैनी, प्राचार्य, जी.जी.जे. राजकीय महाविद्यालय, हिसार।

उपस्थित गणमान्य : डॉ. साहना वी. एम. वत्स, संयोजक, शोध प्रकोष्ठ, बरवाला। डॉ. सुनील कुमार, उप-समन्वयक (शोध), बरवाला। डॉ. सतीश कुमार, संयोजक (शोध), हिसार। डॉ. सुरेश कुमार, संयोजक, आई.क्यू.ए.सी., जी.जी.जे. राजकीय महाविद्यालय, हिसार। इस अवसर पर डॉ. त्रिभुवन पारीक ने कहा कि यह सहयोग पारंपरिक और आधुनिक ज्ञान प्रणालियों के एकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल अनुसंधान और नवाचार के नए द्वार खोलेगी तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगी। वहीं डॉ. विनोद कुमार सैनी ने कहा कि यह साझेदारी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों दोनों को संयुक्त अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर प्रदान करेगी, जिससे उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि होगी यह समझौता क्षेत्र में शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान-संवर्धन और संस्थागत सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

दैनिक ट्रिब्यून

13/17

नेशनल कॉलेज व राजकीय महाविद्यालय ने एमओयू पर किए हस्ताक्षर

बरवाला (हिसार), 17 अक्तूबर (निस)

नेशनल कॉलेज ऑफ आयुर्वेदा व राजकीय महाविद्यालय हिसार के मध्य शुक्रवार को एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। इस समझौते का उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक सहयोग, अनुसंधान को बढ़ावा देना तथा ज्ञान के आदान प्रदान को सुदृढ़ करना है। यह समझौता संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, संकाय विकास कार्यक्रमों एवं विद्यार्थियों के लिए अनुसंधान गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए किया गया। नेशनल कॉलेज के प्राचार्य डॉ त्रिभुवन पारीक व राजकीय महाविद्यालय हिसार के प्राचार्य डॉ विनोद सैनी ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान डॉ साहना, वी.एम.वत्स संयोजक शोध प्रकोष्ठ, डॉ सुनील उप समन्वयक, डॉ सतीश कुमार, डॉ सुरेश कुमार राजकीय महाविद्यालय आदि भी मौजूद रहे। डॉ त्रिभुवन पारीक ने कहा कि यह सहयोग पारंपरिक एवं आधुनिक ज्ञान प्रणालियों के एकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जो अनुसंधान और नवाचार के नए द्वार खोलेगा। डॉ विनोद सैनी ने कहा कि यह सांझेदारी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संयुक्त अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर प्रदान करेगी। इसके अलावा उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने और क्षेत्र में शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है।

Activity 3

One day National Workshop on "Recent Advancement in Research Methodology and Paper Writing"

Date: 28th January, 2026

Number of Participants = 88

A One-Day National Workshop entitled "Recent Advancement in Research Methodology and Paper Writing" was conducted on 28th January 2026 at Guru Gorakhnath Ji Government College, Hisar under the joint initiative of the Research and Development Cell and IQAC, with support from the Directorate of Higher Education, Haryana. The programme was designed to build research competence among faculty members and scholars by providing exposure to contemporary methodologies, academic writing standards, and ethical research practices. Around 88 participants attended the workshop and benefited from expert lectures that covered research design, literature analysis, use of digital tools, statistical applications, manuscript structuring, and publication ethics. The sessions encouraged active interaction and offered practical insights for improving the quality and impact of scholarly work. Overall, the workshop concluded successfully and provided meaningful learning experiences for all participants.

Photo Gallery (Geo-tagged Photos)

News Cuttings

Amar Ujala

सहायक अनुसंधान को प्राथमिकता देने पर जोर

गुरु गोरखनाथ राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कार्यशाला आयोजित

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। देश और समाज के समग्र विकास के लिए सहायक अनुसंधान को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग के युग में शोध के साधन सुलभ हो गए हैं। यह बात लुवास के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने गुरु गोरखनाथ राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कही।

''रिसर्च मेथोडोलॉजी एवं पेपर राइटिंग में नवीन प्रगति'' विषय पर आयोजित कार्यशाला के समन्वयक डॉ. सतीश वर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्राचार्य डॉ. विवेक सैनी ने कहा कि हर एक व्यक्ति को देश के विकास में सहयोग करना चाहिए। महाविद्यालय की मीडिया प्रभारी प्रो. मनोज कुमार ने बताया कि दो सत्र में इस कार्यशाला को संपन्न कराया गया। उप-समन्वयक डॉ. सुरेश ने कार्यशाला की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। डॉ. अमित कुमार ने पीपीटी के माध्यम से शोध गुणवत्ता पर ध्यान देने पर जोर दिया।

दोपहर के सत्र में प्रो. सुमन सिंह ने गुणवत्तापूर्ण रिसर्च पेपर लेखन की प्रक्रिया, संरचना तथा आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। मंच संचालन डॉ. पुष्पा मोर एवं डॉ. सरिता ने किया। आयोजन में उप-प्राचार्य राजेंद्र सिंह सेवदा, प्रो. मनोज, डॉ. स्वीटी, डॉ. राजीव, डॉ. राजपाल, डॉ. मुकेश आदि का योगदान रहा।

गुरु गोरखनाथ राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में हिस्सा लेते प्रतिभागियों के साथ प्राचार्य डॉ. विवेक सैनी। स्रोत : संस्थान

Hari Bhoomi

■ राजकीय कॉलेज में रिसर्च मेथोडोलॉजी एवं पेपर राइटिंग में नवीन प्रगति पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

एआई के युग में भी शोध को प्राथमिकता दें : डॉ. वर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु गोरखनाथ जी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रिसर्च मेथोडोलॉजी एवं पेपर राइटिंग में नवीन प्रगति विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले, समाज एवं राष्ट्र के विकास में योगदान देने वाले अनुसंधान को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यशाला के मुख्य अतिथि लुवास के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा रहे। वहीं रिसोर्स पर्सन के रूप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्याल की बायोकेमिस्ट्री विभागाध्यक्ष प्रो. सुमन सिंह तथा सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा से डॉ. अमित कुमार ने सहभागिता की। मुख्य अतिथि डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के युग में शोध के साधन सुलभ हो गए हैं, किंतु ऐसे अनुसंधान को प्राथमिकता देना आवश्यक है जो समाज और राष्ट्र के समग्र विकास में वास्तविक योगदान दें। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विवेक सैनी ने कार्यशाला के आयोजन के लिए उच्चतर शिक्षा निदेशालय, हरियाणाका आभार व्यक्त किया।

हिसार। कार्यशाला के प्रतिभागियों को सम्मानित करते अतिथिगण।

दैनिक भास्कर हिसार भास्कर 29-01-2026

क्वालिटी चेक को मजबूत करें। के साथ-साथ उसका डेडलाइन का और स्पष्टता बनाए रखना। सटीक और पारदर्शी बनाती है।

रिसर्च मेथोडोलॉजी एवं पेपर राइटिंग में नवीन प्रगति पर कार्यशाला

भास्कर न्यूज | हिसार

गुरु गोरखनाथ जी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रिसर्च मेथोडोलॉजी एवं पेपर राइटिंग में नवीन प्रगति विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला हुई। इसका उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले, समाज एवं राष्ट्र के विकास में योगदान देने वाले अनुसंधान को प्रोत्साहित करना रहा।

राजकीय कॉलेज में डॉ. विनोद कुमार वर्मा का स्वागत करते आयोजक।

महाविद्यालय के प्राचार्य ने हरियाणा का आभार व्यक्त किया। महाविद्यालय की मीडिया कार्यशाला के आयोजन हेतु उच्चतर शिक्षा निदेशालय, प्रभारी प्रो. मनोज कुमार ने बताया कि कार्यशाला के मुख्य अतिथि डॉ. विनोद कुमार वर्मा, कुलपति, लुवास रहे। वहीं रिसोर्स पर्सन के रूप में प्रो. सुमन सिंह, अध्यक्ष बायोकेमिस्ट्री विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र तथा डॉ. अमित कुमार, रसायन विज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, महेंद्रगढ़ ने सहभागिता की।

Activity 4

One Day Workshop on "Role of Intellectual Property Rights"
Date : 22/04/2026

A one-day workshop on "Role of Intellectual Property Rights (IPR)" was organized by the Research and Development Cell of GGJ Govt. College, Hisar, in the college auditorium on 22/04/2026 at 10:00 AM onwards. The workshop commenced with a formal welcome address by Dr. Satish Kumar, Convener, Research and Development Cell**,** who welcomed the resource person and participants.

The session was conducted by Dr. Sunil Kumar, Assistant Professor, Computer Science and Engineering**,** who served as the resource person. During the session, he elaborated on the nature of intellectual property**,** explaining how ideas, innovations, and creative works are treated as valuable assets. He clearly distinguished between registered and unregistered intellectual property rights**,** citing examples such as patents, copyrights, and trademarks, and emphasized the importance of legal registration for protection. The speaker also discussed legal and illegal practices related to IPR, making participants aware of issues like plagiarism and infringement. Further, he explained the IP chain of activities**,** covering stages from idea generation to protection and commercialization. He also highlighted the laws for intellectual property protection at national and international levels and explained the role of IPR in encouraging innovation, research, and safeguarding creators' rights.

The session was highly interactive**,** with active participation from both students and faculty members. Participants raised queries during the session, and the resource person responded to them in detail, making the discussion more engaging and practical.

A total of 230 participants registered for the workshop and participated enthusiastically. At the conclusion of the session**,** Dr. Satish Kumar presented the vote of thanks, expressing gratitude to the resource person and all participants for making the workshop a success.

Overall, the workshop proved to be highly informative and beneficial, enhancing awareness and understanding of intellectual property rights among the participants.

Geo-tagged Photos:

GPS Map Camera
Check In
Hisar, Haryana, India
4pw8+hj6, Rajgarh Rd, B&r Colony, Haryana
Agricultural University, Hisar, Haryana 125004, India
Lat 29.146531° Long 75.716612°
Wednesday, 22/04/2026 10:52 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Check In
Hisar, Haryana, India
4pw8+hj6, Rajgarh Rd, B&r Colony, Haryana
Agricultural University, Hisar, Haryana 125004, India
Lat 29.146518° Long 75.716561°
Wednesday, 22/04/2026 10:54 AM GMT +05:30
Google